

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

समस्त पत्र व्यवहार कुलसचिव 'जीवाजी विश्वविद्यालय' के नाम से ही किया जावे जा कि किसी अन्य पदाधिकारी के नाम से।
सरकारित विषय पर यादे पूर्ण में पत्र व्यवहार दुआ हो तो पत्र क्रमांक एवं दिनांक अवश्य लिखा जावे जिससे सापेक्ष हो।



फ़ाइल : वृद्धीवर्ती
दूरध्वाच : (0751) 2341896
(0751) 2442829
फैक्स : (0751) 2341768

प्रेषक :
कुलसचिव,
जीवाजी विश्वविद्यालय
ग्वालियर
क्रमांक:एफ/सम्बद्धता/2009/4541

दिनांक: 13/12/12

// सूचना //

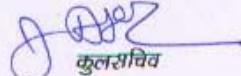
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर से सम्बद्ध अंश कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन, ग्वालियर (09826454585) को सत्र 2010-11 के लिये प्रस्तावित/संचालित बी.ए. पाठ्यक्रम कक्षा/पाठ्यक्रमों/विषयों की अस्थायी सम्बद्धता देतु अनुशंसाएँ प्रदान करने के लिये मानवीय कुलपति महोदय/स्थायी समिति, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर ने विश्वविद्यालय अधिवियम 1973 के परिवियम 27(10) के अंतर्गत विनानुसार विरीक्षण समिति का गठन किया है :-

- (1) प्रो. जे.एन. गौतम, आचार्य, पुस्तकालय विज्ञान अध्ययनशाला, जी.वि.वि., ग्वालियर। (संयोजक)
(0751-2442603)
- (2) प्रो. विरेक बापट, आचार्य, समाज कार्य एवं आजीवन शिक्षा अध्ययनशाला, जी.वि.वि., ग्वालियर।
- (3) डॉ. रेणू श्रीवास्तव, प्राचार्य, बोर्टरन कॉलेज, ग्वालियर।

निरीक्षण समिति के सदस्यों से अबुरोध है कि वे परिवियम 27/28 के प्रावधानों के अनुरूप महाविद्यालय का प्रत्यक्ष निरीक्षण कर शुल्क, धरोहर शिक्षा, वांछित शैक्षणिक/अशैक्षणिक टर्फँ, प्राधिकृत संस्था से प्राप्त अबुमति/अबापति प्रमाण-पत्र, भवन, क्रीड़ा परिसर एवं पाठ्यक्रम/आर्डिनेब्स तथा पिछले सत्र में दी गई शर्तों की पूर्ति मय प्रमाण पत्र के तथा प्राचार्य/शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक टर्फँ की विनियुक्तियों का प्रमाण एवं वेतन आदि के बारे में स्पष्ट विवरण/अनुशंसाएँ अंकित करें। महाविद्यालय प्राचार्य/अध्यक्ष सूचना पत्र प्राप्त होने के 30 दिवस के अन्दर विरीक्षण समिति संयोजक एवं सदस्यों से सम्पर्क स्थापित कर विरीक्षण करायें। समिति संयोजक से विवेदन है कि वे उक्त विधीयत रूप समय में विरीक्षण करें एवं प्रतिवेदन 07 दिवस में विश्वविद्यालय कार्यालय में जमा करें। विरीक्षण प्रतिवेदन जमा करने का उत्तरदायित्व विरीक्षण समिति / संयोजक का होगा।

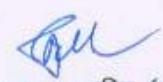
"समिति गठन का पत्र प्राप्त होने के बाद विरीक्षण में की गई देई के लिए महाविद्यालय स्वयं उत्तरदायी होगा। जिसकी सूचना आयुक्त, उच्च शिक्षा, भोपाल को भेज दी जावेगी। यदि महाविद्यालय 03 माह में विरीक्षण नहीं करात है तो समिति स्वतः बिस्तर हो जावेगी और पुक्क विरीक्षण समिति गठन देतु महाविद्यालय को दण्ड तरलप रु. 25,000/- जमा करवे होंगे। तत्पश्चात् ही विरीक्षण समिति का पुनर्गठन किया जायेगा। परिवियम 27(11)(?) के अनुसार सम्बद्धता प्राप्त किए बिना छात्रों को प्रवेश देना अवैधानिक है।"

विरीक्षण समिति के साथ सम्बद्धता शाला में कार्यरत अधीक्षक / कार्यालय सहायक पत्रावली लेकर जावेंगे तथा महाविद्यालय की वस्तुविषय से विरीक्षण समिति को अवगत करावेंगे। विरीक्षण समिति के सदस्यों को टी.ए. / डी.ए. / मानदेय महाविद्यालय द्वारा देय होगा।


कुलसचिव

प्रतिलिपि :-

- समस्त सदस्यों की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- प्राचार्य/अध्यक्ष, संबंधित महाविद्यालय की ओर भेजकर आग्रह है कि समिति के संयोजक से संपर्क स्थापित कर विरीक्षण दिनांक निर्धारित कर महाविद्यालय का विरीक्षण करावें। उक्त विरीक्षण 15 दिवस के अन्दर कराने की व्यवस्था करें।
- आयुक्त उच्च शिक्षा, सतपुड़ा भवन, भोपाल
- कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर
- कुलपति के सचिव / कुलसचिव के निजी सहायक, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर


सहायक कुलसचिव (सम्बद्धता)